अंदर के पेजों पर पढ़ें
2 सखी का संदेश...
6 वनडे इतिहास की सबसे बड़ी जीत....
7 प्रकृति के साथ प्रगति हमारा मंत्र हो-....

RNI-NO.MPHIN/2015/64585

रणजीत टाइम्स

साप्ताहिक अख़बार

संपादक-गोपाल गावंडे

वर्ष - 10 अंक-02 इन्दौर , प्रति मंगलवार, 17 जनवरी से 23 जनवरी 2023 पृष्ठ-8 मूल्य -2

सुप्रीम कोर्ट ने जोशीमठ संकट पर सुनवाई से किया इनकार,क्या कुछ कहा?

सुप्रीम कोर्ट ने जोशीमठ मामले पर शंकराचार्य अविमुक्तेश्वरानंद की याचिका को सुनने से इनकार कर दिया है. सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को याचिकाकर्ता से कहा कि उत्तराखंड हाई कोर्ट में अपनी बात रखें. सुनवाई के दौरान उत्तराखंड सरकार ने सुप्रीम कोर्ट को बताया कि हाई कोर्ट मामले को सुन रहा है.

सुप्रीम कोर्ट ने कहा है कि हाई कोर्ट पहले से इस मामले पर सुनवाई कर रहा है. याचिकाकर्ता को वहीं अपनी बात रखनी चाहिए. स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद ने जमीन धंसने से प्रभावित हो रहे जोशीमठ के लोगों के पुनर्वास और उनकी संपत्ति का बीमा कराए जाने की मांग की थी.

कोर्ट में किसने क्या कहा?

शंकराचार्य की याचिका में पूरे मामले को राष्ट्रीय आपदा घोषित करने की भी मांग की गई थी. साथ ही उन्होंने तपोवन-विष्णुगड बिजली परियोजना पर रोक की मांग भी की थी. सुनवाई के दौरान चीफ जस्टिस डी वाई चंद्रचूड़ ने कहा, 12 जनवरी को हाई कोर्ट ने इसी मामले पर आदेश पारित किए हैं. हाई कोर्ट ने विशेषज्ञ कमिटी के गठन पर जवाब मांगा है. सरकार और NTPC को जोशीमठ में निर्माण फिलहाल बंद रखने के लिए भी कहा है. हमें लगता है कि याचिकाकर्ता को वहीं अपनी बात रखनी चाहिए.

हाई कोर्ट से जल्द सुनवाई का अनुरोध करेंगे

याचिकाकर्ता के लिए पेश वकीलों सुशील जैन और पी एन मिश्रा ने अनुरोध किया कि सुप्रीम कोर्ट को ही उनकी याचिका पर सुनवाई करनी चाहिए, लेकिन चीफ जस्टिस ने कहा कि आप ने पुनर्वास समेत जो मांगें रखी हैं, उनके लिए हाई कोर्ट में आवेदन दे सकते हैं. हम हाई कोर्ट से अनुरोध करेंगे कि अगर आप आवेदन दाखिल करते हैं, तो इस पर जल्द सुनवाई करे.

जोशीमठ में धंसती जा रही जमीन

गौरतलब है कि जोशीमठ भू-धंसाव के कारण एक बड़ी चुनौती का सामना कर रहा है. जोशीमठ में जमीन धीरे-धीरे नीचे धंसती जा रही है. मकानों, सड़कों और खेतों में बड़ी-बड़ी दरारें पड़ रही हैं. अब तक जोशीमठ से सैंकड़ों परिवारों को राहत शिविर में शिफ्ट किया जा चुका है.

हाथ से हाथ जोड़ो से पहले सचिन पायलट दिखाएंगे ताकत, 5 जिलों में करेंगे बड़ी सभाऐ

जयपुर- राजस्थान कांग्रेस का आपसी टकराव किसी से छिपा हुआ नहीं है। अशोक गहलोत और सचिन पायलट के बीच चल रहा शीत युद्ध पिछले चार साल से जारी है। बीते तीन साल में दो बार पार्टी टूटने की नौबत आई। प्रदेश सरकार गिरते-गिरते बची। पिछले दिनों राहुल गांधी ने गहलोत और पायलट को एकजुट करने की कोशिश की। कुछ समय के लिए माहौल शांत करने में राहुल गांधी कामयाब भी रहे लेकिन अब सचिन पायलट एक बार फिर बड़ा शक्ति प्रदर्शन करने जा रहे हैं। 16 जनवरी से सचिन पायलट 5 दिन तक 5 अलग-अलग जिलों में सभाएं करेंगे। इन्हें किसान सम्मेलन नाम दिया गया है। शक्ति प्रदर्शन की शुरुआत नागौर जिले के परबतसर से होगी।

पायलट के दौरों से छिड़ी सियासी चर्चाएं

सचिन पायलट प्रदेश में अलग ही क्रेज है। पायलट जिस भी जिले में जाते हैं, भीड़ खींची चली आती है। पायलट के नेतृत्व में लोग राजस्थान के सुनहरे भविष्य को देखते हैं। खासतौर पर प्रदेश के युवाओं में पायलट के प्रति जबरदस्त क्रेज है। उनकी सभाओं में भारी भीड़ जुटने की प्रबल संभावना है। 16 जनवरी को परबतसर में, 17 जनवरी को हनुमानगढ़ जिले के पीलीबंगा में होगी। 18 जनवरी को झुंझुनूं जिले के गुढ़ा में, 19 जनवरी को पाली जिले के सादड़ी में और 20 जनवरी को जयपुर के महाराजा कॉलेज में पालयट की सभाएं होंगी। पार्टी से इतर पायलट के इस स्तर पर होने वाली सभाओं से राजस्थान नई सियासी चर्चाएं छिड़ गई है। राजनैतिक गलियारों में चर्चाएं है कि इस चुनावी साल में पायलट के शक्ति प्रदर्शन के पीछे बड़ा उद्देश्य है।

बजट से पहले पायलट के शक्ति प्रदर्शन के कई मायने

23 जनवरी से राजस्थान विधानसभा में बजट सत्र शुरू होने वाला है। इससे पहले 16 और 17 जनवरी मुख्यमंत्री अशोक गहलोत अपने चार साल के कार्यकाल के कामकाज की समीक्षा करेंगे। वो आगामी चुनाव की रणनीति तय करने के लिए दो दिवसीय चिंतन शिविर का आयोजन करेंगे। इससे ठीक पहले सचिन पायलट की ओर से अपने स्तर पर किसान सम्मेलन आयोजित करके शक्ति प्रदर्शन से नई सियासी चर्चाओं को जन्म दे दिया। प्रदेश स्तर पर पायलट को कोई खास तवज्जो ना तो सरकार में दी जाती है और ना ही संगठन में। ऐसे में सचिन पायलट अब अपनी ताकत दिखाना चाहते हैं। वे ये साबित करना चाहते हैं कि उन्हें नजर अंदाज करना पार्टी के लिए घातक साबित हो सकता है।

लोकसभा चुनाव के लिए कांग्रेस ने कस ली है कमर, राजस्थान मॉडल के जरिए चलेगी बड़ा दांव

सदन में सरकार को आइना दिखा सकते हैं पायलट समर्थक

सचिन पायलट समर्थक विधायक पहले भी कई बार कह चुके हैं कि उनको शीघ्र मुख्यमंत्री नहीं बनाया तो पार्टी को बड़ा खामियाजा भुगतना पड़ सकता है। कई बार सार्वजनिक मंचों पर खुलकर पायलट की पैरवी कर चुके हैं। पिछले डेढ़ महीने पायलट समर्थक विधायक शांत हैं लेकिन पायलट की ताबड़तोड़ सभाओं से एक बार फिर माहौल गर्मा सकता है। जमीनी माहौल बदलने के साथ ही पायलट समर्थक विधायक बजट सत्र के दौरान विधानसभा में विभिन्न मुद्दों को लेकर अपनी ही सरकार को घेर सकते हैं।

बजट 2023 से पहले वित्त मंत्री का बयान, 5 लाख तक की आय पर कोई नया टैक्स नहीं

नई दिल्ली, बिजनेस डेस्क। वित्त वर्ष 2023-24 का बजट पेश होने में कुछ ही दिनों का समय शेष रह गया है, लेकिन इससे पहले केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने एक इवेंट बड़ा बयान देते हुए कहा है कि वे भी एक मध्यमवर्गीय परिवार से आती हैं और उनका दर्द समझ सकती हूं। सरकार की ओर से अब तक पांच लाख रुपये से कम कमाने वाले लोगों पर कोई भी नया टैक्स नहीं लगाया।

बता दें, ये इवेंट राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) की पत्रिका पाञ्चजन्य द्वारा आयोजित किया गया था। इसके साथ उन्होंने आगे कहा कि सरकार ने मध्यम वर्ग के जीवन को आसान करने के लिए स्मार्ट शहरों का निर्माण और मेट्रो रेल नेटवर्क विकसित करने जैसे कई उपाय किए हैं।

पूंजीगत खर्च बढ़ा रही सरकार

वित्त मंत्री ने आगे कहा कि 2020 के बजट से सरकार लगातार अपने पूंजीगत खर्च को बढ़ा रही है और चालू वित्त वर्ष में ये 35 प्रतिशत बढ़कर 7.50 लाख करोड़ रुपये पर पहुंच गया है। इसके साथ केंद्र सरकारी बैंकों की आर्थिक सेहत सुधारने और एनपीए कम करने के लिए कई बिंदुओं पर कार्य कर रहा है।

उपराज्यपाल कोई हमारे प्रधानाध्यापक नहीं, जो हमारा होमवर्क जांचेंगे... CM अरविंद केजरीवाल

सीएम केजरीवाल के नेतृत्व में दिल्ली में आप पार्टी के विधायकों ने एलजी हाउस तक मार्च किया. दिल्ली सरकार के निर्णय में एलजी के कथित हस्तक्षेप पर आप ने अपना भारी विरोध दर्ज कराया.

नई दिल्ली. दिल्ली सरकार बनाम उपराज्यपाल मामला बढ़ता जा रहा है. दिल्ली के शिक्षकों को फिनलैंड प्रशिक्षण के लिए भेजने से जुड़े मामले समेत कई मुद्दों पर दिल्ली सरकार और एलजी आमने-सामने हैं. इस बीच दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने उपराज्यपाल का न्योता मंजूर नहीं किया. केजरीवाल ने कहा कि उपराज्यपाल वीके सक्सेना ने मुख्यमंत्री और उपमुख्यमंत्री को मिलने के लिए बुलाया है, लेकिन हम सभी विधायकों के साथ मिलना चाहते हैं. उपराज्यपाल का यह न्योता मंजूर नहीं.

अरविंद केजरीवाल के मुताबिक, उपराज्यपाल ने सभी विधायकों और मंत्रियों से मिलने से मना कर दिया है. यह दो करोड़ जनता का अपमान है कि हमारे विधायकों और मंत्रियों से मिलने से मना कर दिया. आगे की रणनीति

हम तय करके बताएंगे. इस बीच अरविंद केजरीवाल उपराज्यपाल निवास के पास से वापस लौट आए. अरविंद केजरीवाल के कई प्रस्तावों पर एलजी ने मंजूरी नहीं दी है. ऐसे में प्रतीत हो रहा है कि ये विवाद अभी लंबा चलेगा.

सम्पादकीय

सख्ती का संदेश

दिल्ली के कंझावला में कार से घसीटे जाने की वजह से एक युवती की मौत के मामले में केंद्रीय गृह मंत्रालय की ओर से दिखाई गई सख्ती के संदेश व्यापक हैं।

दरअसल, राष्ट्रीय राजधानी होने के नाते दिल्ली में सुरक्षा व्यवस्था के स्तर को बाकी जगहों से ज्यादा चौकस माना जाता है। लेकिन अगर इस धारणा के बरक्स हकीकत यह सामने आए कि एक कार में फंसी युवती को बारह किलोमीटर के दायरे में घसीटा जाता रहा और अलग-अलग हिस्सों में ड्यूटी पर तैनात पुलिसकर्मियों को इसकी खबर तक नहीं हुई तो निश्चित रूप से यह हैरानी की बात है। इसे खुद को बेहद सक्षम और संवेदनशील महकमे के तौर पर पेश करने वाली दिल्ली पुलिस के लिए शर्मिंदगी का कारण माना जाना चाहिए। लेकिन इस साल की शुरुआत के साथ ही दिल्ली के कंझावला इलाके में हुई हृदय विदारक घटना का एक पहलू यह भी है कि इतनी लंबी दूरी तक कार में फंसी युवती घिसटती रही और उस वाहन को रोकने-टोकने वाला सड़क पर कोई नहीं था। जबकि जिन इलाकों से वह कार गुजरी, उस रास्ते में पुलिस के गश्ती वाहन समेत कई जगहों पर विभिन्न चौकियों पर पुलिसकर्मी ड्यूटी पर तैनात थे। इसके अलावा, निगरानी के लिए कई जगहों पर सीसीटीवी कैमरे भी लगे थे।

सवाल है कि इतनी दूरी के बीच ड्यूटी पर तैनात किसी भी व्यक्ति की नजर इस घटना पर क्यों नहीं गई, जबकि नए साल के जश्न के मद्देनजर बाकी दिनों के मुकाबले कानून व्यवस्था को लेकर शायद ज्यादा चौकसी बरती गई होगी! जाहिर है, अगर ड्यूटी पर मौजूद पुलिसकर्मी या गश्ती वाहन चौकस रहते तो शायद समय रहते उस बेलगाम कार को रोका जा सकता था और संभव है कि युवती की जान बचाई जा पाती। लेकिन घटना की प्रकृति से संबंधित जगहों पर मौजूद पुलिसकर्मियों की लापरवाही का अंदाजा लगाया जा सकता है।

दरअसल, किसी भी गैरकानूनी घटना की आशंका के मद्देनजर ही जगह-जगह चौकियों पर और फिर गश्ती वाहनों में पुलिसकर्मियों को ड्यूटी पर तैनात किया जाता है, ताकि समय रहते आपराधिक वारदात को रोका जा सके। अगर कोई घटना हुई है तो सूचना मिलने पर जल्दी से जल्दी संबंधित जगह पर पुलिस पहुंचे। लेकिन इससे बड़ी विडंबना क्या होगी कि करीब बारह किलोमीटर के लंबे रास्ते में कई जगह पुलिस चौकी थे, गश्ती वाहन थे, लेकिन इस सबके बावजूद आरोपी कार में फंसी युवती को घसीटते आगे बढ़ते रहे। यही नहीं, जांच के दौरान यह तथ्य भी सामने आया कि कई बार फोन करने पर भी गश्ती या पीसीआर वाहन से कोई जवाब नहीं आया। सीसीटीवी के फुटेज खंगालने पर भी यह पता चला कि जब यह हादसा हो रहा था, तब सुल्तानपुरी इलाके में गश्ती वाहन दिखे। सवाल है कि दिल्ली पुलिस के पुख्ता सुरक्षा व्यवस्था के दावों के बीच इस तरह घटना कैसे संभव हो सकी! राहत की बात बस है कि इसका संज्ञान खुद केंद्रीय गृह मंत्रालय की ओर से लिया गया और इसके बाद घटना के लिए व्यापक लापरवाही का जिम्मेदार मानते हुए ग्यारह पुलिसकर्मियों को निलंबित कर दिया गया। इससे पहले गृह मंत्रालय ने इस मामले में आरोपियों के खिलाफ हत्या की धारा लगाने को कहा था। इस सख्ती और कार्रवाई की अहमियत इसलिए महत्त्वपूर्ण है कि आमतौर पर हादसों की घटनाओं को परिस्थितिजन्य मान कर उसमें किसी की जिम्मेदारी नहीं तय हो पाती और शायद ही किसी पुलिसकर्मी के खिलाफ कार्रवाई की जाती है। नतीजा यह होता है कि कई बार ड्यूटी पर मौजूद कुछ पुलिसकर्मी खुद को सजग रखने के प्रति लापरवाह होते हैं और कंझावला जैसी बड़ी घटनाएं भी सरेआम सड़क पर होती रहती हैं।

संपादक
गोपाल गावंडे

चीन से सावधानी की जरूरत

चीन की आर्थिक संपन्नता ने चीन को अपनी पूंजी और प्रभाव को फैलाने का अवसर दिया।

चीन ने भी एक प्रकार से वैश्विक साहूकारी शुरू कर दी तथा श्रीलंका, पाकिस्तान, नेपाल, बांग्लादेश और दुनिया के अनेक देशों को आर्थिक सैन्य व कूटनीतिक मदद और कर्ज देकर अपने प्रभाव में लिया। नेपाल में ओली के समर्थन से प्रचंड के प्रधानमंत्री बनने के पीछे स्पष्ट रूप से चीन की भूमिका है, जबकि ओली और प्रचंड एक दूसरे के विरुद्ध चुनाव लड़े थे।

भारत-चीन की सीमा पर पिछले कुछ समय से तनाव बढ़ रहा है और खासौतर पर तवांग की घटना के बाद कुछ ज्यादा ही। इसमें कोई दो राय नहीं है कि भारतीय सेना के जवानों ने तवांग में चीनी घुसपैठ के प्रवास को साहसपूर्वक न केवल विफल कर दिया, बल्कि अपने शक्ति शौर्य का जबरदस्त प्रदर्शन भी किया। इससे भारतीय सेना का आम जन में गौरव बढ़ा है और देशवासियों में आत्मविश्वास का संचार भी हुआ है।

फिर भी अभी राष्ट्र की सुरक्षा की दृष्टिकोण से कुछ चिंताएं आमजन के मस्तिष्क में हैं। खबरें आईं कि चीनी सैनिक निरंतर घुसपैठ करने के प्रयास में लगे हुए है। पिछले वर्ष भारत की सीमा में जो सैनिक घुस आए थे और जिन्होंने लगभग दो से ढाई सौ वर्ग किलोमीटर जमीन पर कब्जा किया था, वहां से चीनी सैनिकों को भारत अभी तक हटा नहीं सका है।

चीनी और भारतीय सैनिक अधिकारियों के बीच निरंतर बैठकें हुई हैं, उनमें यह समझौता भी हुआ कि भविष्य में चीनी और भारतीय सैनिकों के बीच अपनी-अपनी सीमाओं की सुरक्षा को लेकर अगर कोई मतभेद या विवाद होता है तो किसी भी पक्ष से आग्नेयास्त्रों का प्रयोग नहीं किया जाएगा। यानी केवल शारीरिक बल से एक दूसरे को रोकने का प्रयास किया जाएगा। यह समझौता युद्ध रोकने के दृष्टिकोण से तो उपयोगी हो सकता है, पर भारतीय सीमाओं के या पुरानी कब्जाई हुई जमीन वापस लेने के दृष्टिकोण से उपयोगी नहीं है।

वर्ष 1962 में चीन ने भारत पर हमला किया था और भारत की हजारों किलोमीटर जमीन पर कब्जा कर लिया था जो कि अभी भी चीन के कब्जे में है और वह जमीन वापस नहीं ली जा सकी। लगभग तेईस वर्षों तक चीन और भारत के बीच रिश्ते कूटनीतिक सहित टूटे रहे। हालांकि चीन व भारत ने अपने-अपने दूतावास बंद नहीं किए थे। पर संबंधों में एक तीखा अवरोध पैदा हो गया था। यह सत्य है कि वर्ष 1978 में लगभग सोलह वर्षों के बाद पहली बार भारत के तत्कालीन विदेश मंत्री दिवंगत अटल बिहारी वाजपेयी चीन गए थे।

हालांकि तब भी चीन ने भारत सरकार को अपने मंसूबे स्पष्ट कर दिए थे। तब चीन ने वियतनाम पर हमला बोल दिया, जिसकी प्रतिक्रिया अंतरराष्ट्रीय स्तर पर बहुत तीखी हुई। उसके आठ वर्ष बाद 1985-86 में चीन की यात्रा करने वाले प्रथम भारतीय प्रधानमंत्री दिवंगत राजीव गांधी थे। संभव है कि अमेरिका की चीन के प्रति बदलती हुई नीति ने इन दौरों को प्रोत्साहित किया हो! दरअसल, अमेरिका अपनी विदेश नीति को दशकों पूर्व तय करता है और उस दिशा में दुनिया का दिमाग बनाता है। सन 1991 में दिवंगत नरसिम्हा राव के प्रधानमंत्री बनने के बाद और अंतरराष्ट्रीय पूंजीवाद के दस्तावेज विश्व व्यापार संगठन के समझौते के बाद भारत ने अपनी विदेश नीति को लगभग उल्टा खड़ा कर दिया। भारत ने 1991 के बाद 'लुक टू द ईस्ट' विदेश नीति का निर्धारण किया और पश्चिम के बदले मुख्य रूप से चीन, वर्मा, बांग्लादेश, नेपाल और आदि को विदेश नीति का लक्ष्य बनाया। भारत की विदेश नीति का यह परिवर्तन भी एक प्रकार से अमेरिका से प्रभावित था। अमेरिका ने चीन के साथ टूटे हुए व्यापार के बंधनों को फिर शुरू किया और चीन को अपना बाजार खोला।

उधर चीन ने अपना बाजार अमेरिका को खोला। वैश्विक स्तर पर एक नया जुमला शुरू हुआ कि अंतरराष्ट्रीय रिश्ते और विदेश नीति के लिए व्यापार ही मजबूत रास्ता बना सकता है। इसका एक परिणाम यह हुआ कि दुनिया के बाजारों पर चीन ने अपने सस्ते सामान को फैला दिया। चूंकि चीन में एक अर्थ में निरंकुश या तानाशाही शासन है, इसके कारण श्रम की लागत सस्ती रहती है। इसलिए चीन सस्ता सामान बनाने में सफल हुआ और उसके सस्ते सामान ने न केवल अमेरिका के, बल्कि दुनिया के बड़े भू-भाग पर कब्जा जमा लिया।

चीन की आर्थिक संपन्नता ने चीन को अपनी पूंजी और प्रभाव को फैलाने का अवसर दिया। चीन ने भी एक प्रकार से वैश्विक साहूकारी शुरू कर दी तथा श्रीलंका, पाकिस्तान, नेपाल, बांग्लादेश और दुनिया के अनेक देशों को आर्थिक सैन्य व कूटनीतिक मदद और कर्ज देकर अपने प्रभाव में लिया। नेपाल में हाल ही में ओली के समर्थन से प्रचंड के प्रधानमंत्री बनने के पीछे स्पष्ट रूप से चीन की भूमिका है, जबकि ओली और प्रचंड एक दूसरे के विरुद्ध चुनाव लड़े थे। चीन की आर्थिक क्षमता इतनी बढ़ी है कि अमेरिका को अमेरिका के भीतर भी वह टक्कर और आर्थिक मदद देने लगा। दुनिया में पैसे और सैन्य शक्ति के आधार पर जो प्रभाव और दबाव पहले अमेरिका का था, काफी हद तक उसे चीन ने अपने प्रभाव में ले लिया।

यूरोप के बाजारों तक पहुंच बनाने के लिए चीन ने 'वन बेल्ट वन रोड' की योजना शुरू की और चीन से लेकर ईरान तक एक सड़क मार्ग बनाकर अपने बाजार को पहुंचाने की योजना तैयार की। इस योजना पर चीन काफी आगे बढ़ा भी है, पर भारतीय विदेश नीति के निर्माताओं ने इस बाबत कोई ठोस चिंतन नहीं किया और पश्चिम को लगभग उपेक्षित कर दिया। नतीजतन, पाकिस्तान, अफगानिस्तान, ईरान तक चीन की घुसपैठ गहरी हो गई। इस व्यापारिक सिद्धांत के तहत भारत ने अपनी राष्ट्रीय सीमाओं की वापसी और सुरक्षा पर ध्यान देना कम कर दिया। भारत के नीति निर्माताओं की सोच थी कि चीन अपने व्यापारिक, आर्थिक हितों के लिए अब आगे घुसपैठ नहीं करेगा। नब्बे के दशक के पहले से ही भारत-चीन के सीमा विवाद को हल करने के लिए एक सत्ता पोषित बौद्धिक धड़ा कहने लगा था कि भारत चीन के बीच की जो सीमा रेखा अंग्रेजों ने खींची थी, जिसे 'मैकमोहन लाइन' कहा जाता है, वह छोड़ देना चाहिए और जो भूमि जिसके नियंत्रण में है, वहां तक उसके अधिकार को मान लेना चाहिए। यानी भारत की जो लगभग 30-40 हजार वर्ग किलोमीटर भूमि चीन ने 1962 से कब्जाई है, उसे चीन का मान लेना चाहिए। यह एक प्रकार से समझौते के नाम पर या व्यापार के नाम पर सीधा भारतीय भूमि का समर्पण था।

यहां यह उल्लेखनीय है कि राम मनोहर लोहिया 'मैकमोहन लाइन' को भी अंग्रेजों के द्वारा खींची गई गलत रेखा मानते थे और इसे वास्तविक सीमा नहीं मानते थे। वे कहते थे कि, भारत और चीन के बीच सीमा रेखा 'मैकमोहन लाइन' के आगे तक है, जिसमें संपूर्ण हिमालय और उसके आगे तक की मानसरोवर सहित भारतीय भूमि है। इतिहास में इसके प्रमाण है। लेकिन भारतीय सत्ताधीशों ने भारत की प्राचीन विभाजन रेखा को तो भुला ही दिया, यहां तक की तीन सौ साल के बाद अंग्रेजों के द्वारा उनकी सुविधा के लिए खींची गई 'मैकमोहन लाइन' को भी भुला दिया और 'लाइन आफ कंट्रोल' के नाम पर भारत की 1962 में कब्जाई जमीन को भी इस जुमले से चीनी स्वीकार करने की मनोस्थिति बनाना शुरू कर दिया। लेकिन चीन की विस्तारवादी और साम्राज्यवादी नीति रुकने वाली नहीं है। आज बाजार की आर्थिक शक्तियों को मुनाफा कमाना और उनसे जन्मी राजसत्ताओं का उद्देश्य केवल सत्ता पाना है। पिछले दिनों कितना प्रचार किया गया कि भारत सरकार ने कई प्रतिबंध चीन पर लगाए है, उनके ऐप बंद किए हैं आदि। भारत के व्यापारिक संगठनों ने जोर-शोर से चीनी माल के बहिष्कार के विज्ञापन छपवाए, पर वस्तुस्थिति यह है कि भारत का चीन से आयात बढ़ रहा है और लगभग तीन गुना बढ़ कर साढ़े नौ लाख करोड़ रुपए का हो गया है। मतलब साफ है कि बहिष्कार के नारे केवल धोखे के लिए हैं। देश को सावधान होना चाहिए वरना तिजोरियां भरती जाएंगी, सत्ताधीश बने रहेंगे पर देश की सीमाएं सिकुड़ती जाएंगी।

रणजीत टाइम्स साप्ताहिक अखबार

इंदौर से निकली बस 3 बार पलटी

3 की मौत,47 घायल, एक का हाथ कटा

खरगोन जिले के बड़वाह में यात्री बस पलटने से 3 लोगों की मौत हो गई है। हादसे में 47 लोग घायल हुए हैं। इनमें 12 गंभीर घायलों को इंदौर रेफर किया है। इनमें एक यात्री का हाथ धड़ से अलग हो गया है। बस इंदौर से खंडवा जा रही थी। ओवरटेक करने के दौरान बस बेकाबू हो गई और तीन बार पलटी खाई। इधर सिंगरौली में भी दो बाइक की टक्कर में 4 लोगों की मौत हो गई।

हादसा बड़वाह से करीब 7 किलोमीटर दूर सुबह करीब साढ़े 11 बजे बागफल और मनिहार के बीच हुआ। यात्रियों का कहना है कि ड्राइवर शराब पिया हुआ था। बड़वाह की ओर जाते समय ड्राइवर तेज गति से बस चला रहा था। इसी दौरान एक कार को ओवरटेक करते समय बस बेकाबू हो गई और पलट गई। 38 सीटर बस में 50 यात्री सवार थे।

मरने वाले यात्रियों में दो पुरुष और एक महिला है। हादसे में देवास की रहने वाली निर्मला (45) पति राजेश मेहर और इंदौर के रहने वाले रवि (30) पिता राजाराम गाठिया और श्रवण पिता राधेश्याम की मौत हो गई।

संडे को स्टाफ कम, इलाज में आ रही परेशानी

घायलों को बड़वाह सिविल अस्पताल लाया गया है। रविवार को छुट्?टी का दिन होने से यहां अस्पताल में स्टाफ की कमी है। घायलों का इलाज करने में परेशानी आ रही है। डॉक्टर, स्टाफ नर्स और ड्रेसर कंपाउंडर को अस्पताल में बुलाया गया है। स्वयंसेवकों की सूचना पर शहर के तीन अस्पतालों के डॉक्टर अपने स्टाफ के साथ सरकारी अस्पताल पहुंचे। उन्होंने घायलों का उपचार किया।

यात्री बोला- तीन बार पलटी खाकर झाड़ियों में घुसी बस

इंदौर के चंदन नगर में रहने वाले असरद मंसूरी भी बस में थे। असरद बस से सनावद जा रहे थे। उन्होंने बताया कि बस में भीड़ ज्यादा होने की वजह से वे बोनट पर बैठे थे। ड्राइवर बहुत स्पीड में बस चला रहा था। उसे कई बार धीमे चलाने के लिए कहा। बस दो बार सड़क से नीचे भी उतरी। इसके बाद ड्राइवर ने कार को ओवरटेक किया। इसमें बस का एक पहिया रोड से नीचे उतर गया। ड्राइवर ने बस को वापस रोड पर चढ़ाने की कोशिश, लेकिन वह नियंत्रण खो बैठा। बस वापस रोड पर नहीं चढ़ी। रफ्तार ज्यादा होने से बस तीन बार पलटी खाई और कांटों वाली झाड़ियों में घुस गई।

मृतकों को 4-4 लाख का मुआवजा

बड़वाह सिविल अस्पताल पहुंचे कलेक्टर कुमार पुरुषोत्तम ने कहा कि बेहद दुखद घटना हुई। तीन लोगों की मौत हुई है। मृतकों को शासन के नियमानुसार 4 लाख का मुआवजा मिलेगा। हमारे लिए एक-एक जान कीमती है। 4 दिन में 3 बस दुर्घटनाएं हुई हैं। जिले में अब ओवर स्पीडिंग करने वाले बस चालकों के खिलाफ सख्ती से कार्रवाई होगी। इस संबंध में भी परमिट को लेकर इंदौर आरटीओ से चर्चा की जाएगी। स्कूल बसों में भी स्पीड गवर्नर लगें और उनका पालन हो। ऐसी कार्रवाई जिले में होगी।

शौर्य यात्रा छोड़ मदद करने पहुंचे स्वयंसेवक

बड़वाह में रविवार दोपहर एक बजे से विहिप-बजरंग दल की शौर्य यात्रा निकाली जानी थी। इसके लिए स्वयंसेवक मैदान में जुट रहे थे। जैसे ही उन्हें बस हादसे की सूचना मिली तो सभी यात्रा छोड़कर अस्पताल पहुंच गए। उन्होंने घायलों की मदद की। कुछ सवंयसेवक मौके पर भी पहुंचे। वे घायलों को अस्पताल ले गए। बस हादसे में जान गंवाने वाले युवक के छह साल के बेटे को सांत्वना दी।

युवक का आईफोन ले भागे

इंदौर। बाइक सवार बदमाश एक युवक का आईफोन छिनकर भाग निकले। राजेंद्र नगर पुलिस के अनुसार मोहित पिता महावीर जैन निवसी सूर्यदेव नगर ने रिपोर्ट दर्ज कराई कि वह एमपीईबी आफिस केस ामने से जा रहा था, तभी बाइक सवार बदमाश आए और उसका आईफोन छिनकर तेजी से भाग निकला। आरोपियों की बाइक पर नंबर भी नहीं था।

मामूली विवाद में चाकू मारा

इंदौर। छत पर जाने की बात को लेकर हुए मामूली विवाद में बदमाश ने एक व्यक्ति को चाकू मारकर घायल कर दिया। एमआईजी पुलिस ने बताया कि घायल मनोज पिता शंकरलाल वर्मा (40) निवासी नेहरु नगर की रिपोर्ट पर पास में रहने वाले शुभम के खिलाफ केस दर्ज किया है। घायल ने बताया कि, मै अपने पडोसी शुभम के घर की छत पर गया था पडोस मे निचे किसी का विवाद हो रहा था तो मै देखने गया था तो इतने मे योगेश वर्मा व शुभम वर्मा आये व बोले की रात मे हमारे घर की छत पर क्यो आया और मुझे माँ बहिन की नंगी नंगी गालिया देने लगे तथा योगेश ने चाकू निकालकर मुझे वाये पैर मे मारा तथा शुभम वर्मा ने चाकू से मेरी दाहिने पैर की जाँघ मे मारा फिर मैं चिल्लाया तो मेरा भाई नितिन व आसपास के लोग दौडकर आये जिन्होने बीचबचाव किया इतने मे योगेश ने फिर से चाकू मेरे सिर मे मार कर चोट पहुँचाई और जान से मारने की धमकी देते हुए भाग निकले।

गर्म पानी से झुलसे बच्चे की मौत

गर्म पानी से जलने से चार साल के बच्चे की मौत हो गई। बच्चा चार दिन से जीवन के लिए संघर्ष कर रहा था। चंदन नगर पुलिस ने मर्ग कायम किया है। टीआइ अभय नेमा के मुताबिक, आइटी पार्क सिंहासा निवासी विशाल पिता विक्रम को 12 जनवरी को गंभीर अवस्था में अस्पताल में भर्ती किया था। उसका निजी अस्पताल में उपचार चल रहा था। रविवार को विशाल की उपचार के दौरान मृत्यु हो गई।

रास्ता रोकर पीटा

इंदौर। एक युवक को चार बदमाशों ने रोका और धमकाकर रुपए मांगे। मना करने पर उसकी लात-घूसों से पिटाई कर दी। एमआईजी पुलिस के मुताबिक घटना शनिवार को बेकरी गली में फरियादी अर्पण पिता अशोक दुबे निवासी बेकरीगली के साथ हुई। उसकी रिपोर्ट पर आरोपी हर्षित जाटव, गोलू उर्फ चोटी, दीपक और संजू निवासी रुस्तम का बगीचा के खिलाफ केस दर्ज किया है। युवक ने बताया कि आरोपियों ने शराब पीने के लिए उससे 500 रुपए मांगे थे। उसे जान से मारने की धमकी भी दी।

मामला युवती को बेचने और दुष्कर्म का

पकड़ाई दो युवतियों और महिला से कड़ी पूछताछ

इंदौर। 22 वर्षीय युवती का मुंहबोले भाई और सहेलियों ने पौने दो लाख रुपये में सौदा कर दिया। खरीदार कोर्ट मैरिज के दस्तावेज बना तीन महीने तक दुष्कर्म करता रहा। इस मामले में पुलिस ने गिरोह की सदस्य दो युवतियों और दो महिलाओं को हिरासत में लिया है। इनसे पूछताछ कर इसी तरह की अन्य वारदातों का पता लगाया जा रहा है।

पुलिस के मुताबिक, गुथरिया फलिया (धार) निवासी 22 वर्षीय युवती पिछले वर्ष अक्टूबर में काम की तलाश में इंदौर आई थी। वह युवती अहीरखेड़ी में रहने वाली सहेली दीपा के पास रुककर मजदूरी करने लगी। कुछ दिनों बाद युवती ने मुंहबोले भाई बबलू को भी दीपा के घर बुला लिया। 6 अक्टूबर को बबलू, सहेली सलोनी युवती को घूमने का बोल कर रतलाम ले गए और एक अन्य युवती पूजा के घर रुके। 10 अक्टूबर को दलौदा पहुंचे और बबलू, पूजा, सलोनी, दो औरतें और एक पुरुष से मुलाकात हुई। सभी ने युवती को बलराम गुर्जर के सुपुर्द किया और कहा कि तुम्हारा एक लाख 80 हजार रुपये में सौदा हुआ है। बलराम शाजापुर जिला कोर्ट ले गया और शादी के दस्तावेज तैयार करवा लिए। वह पत्नी बना कर घर ले आया और युवती से मर्जी के विरुद्ध संबंध बनाने लगा। तीन महीने तक युवती घर नहीं लौटी तो मां व जीजा ने पुलिस को शिकायत दर्ज करवाई। शिकायत के बाद द्वारकापुरी पुलिस ने बलराम की तलाश में बरनावदा में छापा मारा। तराना पुलिस की मदद से बलराम के स्वजन को हिरासत में लिया। दो दिन की मशक्कत के बाद बलराम ने सरपंच के माध्यम से युवती को थाने भेजा। पुलिस ने सुपुर्दीनामा तैयार कर कथन लिए तो उसने बेचने और दुष्कर्म की पुष्टि की। पुलिस ने बलराम, बबलू, पूजा, सलोनी, दीपा सहित अन्य के खिलाफ विभिन्न धाराओं में केस दर्ज कर लिया आरोपियों से कड़ी पूछताछ कर यह पता लगाया जा रहा है कि उनके गिरोह में और कौन-कौन लोग शामिल हैं। पुलिस के अनुसार गिरोह में युवती का करीबी रिश्तेदार शामिल है, जिसने हिस्सा लिया था।

कंटेनर की चपेट में आने से महिला की मौत

इन्दौर । तेजाजी नगर पुलिस ने बताया कि घटना खंडवा रोड पर पावर हाउस के पास की है। तीर्थ यात्रियों से भरी बस उज्जैन से ओंकारेश्वर जा रही थी। एक जगह पर चाय-नाश्ते के लिए रुके। तभी 52 वर्षीय कराची शारदा पति सिम हैदरी निवासी दुर्गमविदी वीएल पुरम जिला ईस्ट गोदावरी (आंध्रप्रदेश) सड़क पार कर बस की तरफ बढ़ रही थी। अचानक एक कंटेनर तेज रफ्तार में गुजरा। हवा के झोंके से महिला की साड़ी कंटेनर में उलझ गई और वह चपेट में आ गई। अस्पताल में महिला को डाक्टर ने मृत घोषित कर दिया।

बाइक सवार खंभे से टकराया

इंदौर। एक बाइक सवार खंभे से टकरा गया जिससे उसकी मौके पर ही मौत हो गई। हादसा चंदन नगर थाना क्षेत्र में हुआ। पुलिस के अनुसार राजू पिता रावसिंह निवासी शाजापुर हालमुकाम राऊ बाइक पर सवार होकर पांच बंगला से सिंदौड़ा के बीच जा रहा था इसी दौरान उसकी बाइक खंभे से टकरा गई जिससे उसकी मौके पर ही मौत हो गई। जब राहगीरों ने उसे सड़क पर पड़े हुए देखा तो उसकी सूचना पुलिस को दी।

बदमाश से पिस्टल बरामद

इंदौर । पुलिस ने एक बदमाश को पिस्टल के साथ पकड़ा है। सदर बाजार पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार पकड़े गए बदमाश का नाम सोहेल निवासी जूना रिसाला है। उसे गुटकेश्वर मंदिर के पास खाली मैदान से पकड़ा गया। वह एक्टिवा से वहां पहुंचा था । पुलिस को मुखबिर ने सूचना दी जिसके बाद उसकी घेराबंदी की गई थी। उसके पास एक देसी पिस्टल और जिंदा कारतूस मिला है। उसकी गाड़ी भी पुलिस ने जप्त की है।

बवासीर के उपचार में बेहद फायदेमंद है ये 5 योगासन

सर्वांगासन

यह बवासीर के दर्द को कम करने में बेहद असरदार है। इस आसन को करने के दौरान शरीर उलटा होता है मतलब सिर नीचे और पैर ऊपर की ओर होते हैं। जिससे ब्लड का सर्कुलेशन लोअर बॉडी से अपर बॉडी को ओर होता है। पेट के सभी अंगों को फंक्शन के लिए जरूरी मात्रा में ब्लड की सप्लाई होती है। जिससे आंतें भी अपना काम सही तरीके से कर पाती हैं और बवासीर में फायदेमंद मिलता है।

पादहस्तासन

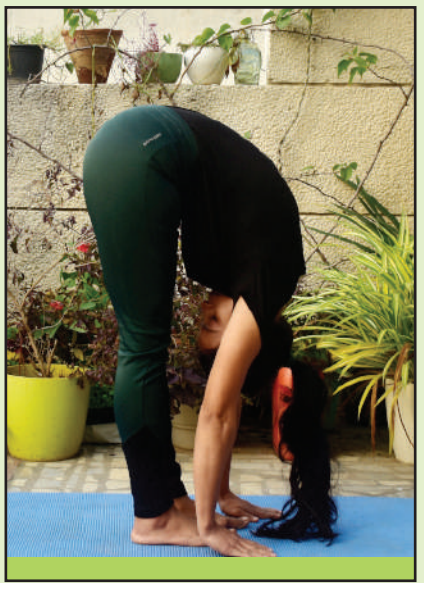

पादहस्तासन पीठ और पैर दर्द दूर करने के साथ मोटापा कम करने के लिए भी असरदार आसन है। इसे करने से पेट की मांसपेशियों को आराम मिलता है जिससे मल त्याग के दौरान कम दर्द होता है।

पवनमुक्तासन

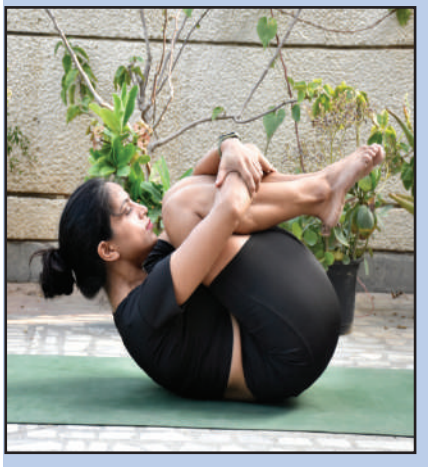

पवनमुक्तासन गैस, एसिडिटी, कब?ज, बवासीर जैसे कई समस्याओं में लाभकारी है। यह शरीर में मौजूद गंदगी को भी बाहर निकालता है। इससे करने से पेट की मसल्स रिलैक्स हो जाती हैं जिससे मल त्याग के दौरान जोर नहीं लगाना पड़ता। इसके अलावा यह आसन कमर दर्द, पीठ दर्द भी दूर करता है।

बालासन

बालासन भी बहुत ही असरदार आसन है कब्ज, गैस और एसिडिटी जैसी समस्याओं को दूर रखने में। इसके अलावा इस आसन को करने वक्त चेहरे और सिर की ओर ब्लड सर्कुलेशन बढ़ता है जो सिरदर्द से राहत दिलाता है और चेहरे की चमक भी बढ़ाता है।

वज्रासन

खाना खाने के बाद महज 5-10 मिनट भी अगर आप इस आसन को कर लेते हैं तो यकीन मानिए कई सारी समस्याओं से मुक्त हो सकते हैं। यह आसन को करने से पैर और लोअर बॉडी की ओर ब्लड सर्कुलेशन तेजी से होता है जिससे भोजन के पाचन में मदद मिलती है और बवासीर के लक्षणों को कम करने में मदद करता है।

महिलाओं में थायराइड के कारण, लक्षण और इलाज

हार्मोनल असंतुलन, तनाव, शरीर में आयोडीन की कमी, वायरल संक्रमण आदि के कारण महिलाओं में कई तरह की समस्याएं पैदा होती हैं। थायराइड भी उन्हीं में से एक है। थायराइड महिलाओं को कई तरह से प्रभावित करता है।

थायराइड क्या होता है

थायराइड गले में आगे की तरफ मौजूद एक ग्रंथि है जो तितली के आकार की होती है। यह ग्रंथि शरीर की अनेकों आवश्यक गतिविधियों को नियंत्रित करती है जैसे कि भोजन को ऊर्जा में बदलना आदि।

थायराइड टी3 यानी ट्राईआयोडोथायरोनिन और टी4 यानी थायरॉक्सिन हार्मोन का निर्माण करता है। ये हार्मोन दिल की धड़कन, सांस, पाचन तंत्र, शरीर का तापमान, हड्डियों, मांसपेशियों और कोलेस्ट्रॉल को संतुलित रखने में मदद करते हैं।

जब इन दोनों हार्मोन में असंतुलन होता है तो उसे थायराइड की समस्या कहते हैं। पुरुषों की तुलना में महिलाओं में यह समस्या अधिक देखी जाती है।

अगर आपके मन में यह प्रश्न उठता है कि महिलाओं में थायराइड कितना होना चाहिए तो हम आपको बता दें कि महिलाओं में थायराइड का नॉर्मल रेंज 0.4-4.0 द्वढ्ढ/रु के बीच होना चाहिए।

महिलाओं में थायराइड के कारण

महिलाओं में थायराइड कई कारणों से होता है जिसमें मुख्य रूप से निम्न शामिल हो सकते हैं-

वायरल संक्रमण के चपेट में आने पर महिला को थायराइड की शिकायत हो सकती है।

जो महिला हमेशा तनाव यानी स्ट्रेस में रहती है उन्हें थायराइड होने का खतरा अधिक होता है।

डिलीवरी के बाद शरीर में बदलाव आने के कारण भी थायराइड की समस्या पैदा हो सकती है।

जब एक महिला की शरीर में आयोडीन की कमी होती है तो थायराइड का खतरा होता है।

हार्मोनल असंतुलन के कारण महिला को कई तरह की परेशानियां होती हैं और थायराइड भी उन्हीं में एक है।

महिलाओं में थायराइड के लक्षण

महिलाओं में थायराइड के शुरुआती लक्षणों में थायराइड ग्रंथि में सूजन होना शामिल है, लेकिन यह जरूरी नहीं कि सभी महिलाओं में यह लक्षण दिखाई दे।

अंडरएक्टिव थायराइड (हाइपोथायरॉइडिज्म) के महिलाओं में संभावित लक्षणों में निम्न शामिल हो सकते हैं-

वजन बढ़ना
चीजें याद नहीं रहना
आवाज कर्कश होना
कमजोरी महसूस करना
बालों का सुर्ख और मोटा होना
त्वचा का शुष्क होना
कब्ज की शिकायत होना
थकावट महसूस होना
बार-बार और भारी मासिक धर्म होना
ठंडे तापमान को झेलने की क्षमता कम होना
ब्लड कोलेस्टेरोल का स्तर बढ़ना
मांसपेशियों में दर्द होना
मांसपेशियां कोमल और कठोर होना
दिल की धड़कन धीमी होना
कुछ मामलों में अवसाद (डिप्रेशन) होना

ओवरएक्टिव थायराइड (हाइपरथायरॉइडिज्म) के लक्षणों में निम्न शामिल हो सकते हैं-

थायराइड ग्रंथि या गण्डमाला का आकार बढ़ना
घबराहट होना
मांसपेशियों में कमजोरी और कंपकंपी होना
तनाव महसूस होना
वजन कम होना
दृष्टि संबंधित समस्या होना या आंखों में जलन होना
चिड़चिड़ापन होना

सोने में परेशानी होना यानी सही से नींद नहीं आना

मासिक धर्म का अनियमित होना या पूर्ण रूप से रुक जाना

कुछ मामलों में थायराइड के लक्षण दूसरी बीमारियों या स्थितियों के लक्षण जैसा हो सकते हैं, ऐसे में इस बात की पुष्टि करने के लिए डॉक्टर कुछ जांच का सहारा लेते हैं।

महिलाओं में थायराइड के साइड इफेक्ट्स

थायराइड ग्रंथि के कार्यों का एक महिला के प्रजनन तंत्र में बहुत बड़ी भूमिका होती है, खासकर अगर थायरॉयड अति सक्रिय या कम सक्रिय है। महिलाओं में थायराइड के निम्न साइड इफेक्ट्स हो सकते हैं-

थायराइड विकारों के कारण यौवन और मासिक धर्म असामान्य रूप से जल्दी या देर से आ सकता है।

ओवरएक्टिव या अंडरएक्टिव थायराइड ओवुलेशन को प्रभावित कर सकता है। अंडाशय से अंडा रिलीज होने की प्रक्रिया को ओवुलेशन कहते हैं।

थायराइड विकार ओवुलेशन को पूर्ण रूप से रोक सकता है। इसके अलावा, अगर महिला को अंडरएक्टिव थायराइड है तो ओवरी में सिस्ट विकसित होने का खतरा बढ़ जाता है।

गंभीर हाइपोथायरायडिज्म वास्तव में ओव्यूलेशन के रुकने और स्तन में दूध उत्पादन का कारण बन सकता है।

थायराइड विकार गर्भावस्था के दौरान भ्रूण को नुकसान पहुंचा सकता है और डिलीवरी के बाद मां में थायराइड की समस्या पैदा कर सकता है। इसे पोस्टपार्टम थायरॉइडाइटिस (प्रसवोत्तर थायरॉयडिटिस) के नाम से जानते हैं।

थायराइड हार्मोन की कमी गर्भपात, समय से पहले डिलीवरी, स्टिलबर्थ (डिलीवरी से पहले या दौरान शिशु की मृत्यु), प्रसवोत्तर रक्तस्राव (पोस्टपार्टम हेमरेज) का कारण भी बन सकता है।

गर्भावस्था के दौरान ओवरएक्टिव थायराइड से पीड़ित महिला को गंभीर मॉर्निंग सिकनेस का खतरा अधिक होता है।

थायराइड विकार रजोनिवृत्ति (मेनोपॉज) की शुरुआत का कारण बन सकता है (40 की उम्र से पहले या 40 की शुरुआत में)।

ओवरएक्टिव थायराइड विकार के कुछ लक्षणों को गलती से मेनोपॉज का शुरुआती लक्षण समझा जा सकता है। इसमें शामिल हैं माहवारी की कमी, हॉट फ्लैशेज, नींद की कमी (इंसोम्निया) और मूड में बदलाव।हाइपरथायरायडिज्म का इलाज करना कभी-कभी प्रारंभिक रजोनिवृत्ति के लक्षणों को कम कर सकता है या प्रारंभिक रजोनिवृत्ति को होने से रोक सकता है।इन सबके अलावा, थायराइड हार्मोन का असामान्य रूप से अधिक या कम होना हल्का या हेवी मासिक धर्म, अनियमित मासिक धर्म, मासिक धर्म की अनुपस्थिति (एमेनोरिया) का कारण बन सकता है।

महिलाओं में थायराइड का इलाज

थायराइड का इलाज मरीज की उम्र और थायराइड की गंभीरता पर निर्भर करता है। इस समस्या का उपचार कई तरह से किया जा सकता है जिसमें एंटी-थायराइड गोलियां, रेडियोएक्टिव आयोडीन उपचार, लेवोथायरोक्सिन और सर्जरी आदि शामिल हैं।

इलाज के जब सभी माध्यम असफल हो जाते हैं या थायराइड की स्थिति गंभीर होती है तो डॉक्टर सर्जरी का सुझाव देते हैं। इस प्रक्रिया के दौरान उन उत्तकों को आंशिक रूप से बाहर निकाल दिया जाता है जो अधिक हार्मोन का उत्पादन करते हैं।

आवास मेला

Gateway!
DEVCON PVT. LTD.
जैसी जरूरत, वैसा कन्सट्रक्शन

SPECIAL OFFER
PLOTS START JUST
1399 ₹-
SqFt में

16,17,18 & 21,22 JAN.

2023
का धमाकेदार ऑफर
बनिये अपने घर के मालिक

मात्र 11000₹ की राशी देकर।।शेष राशि बैंक लोन से।।

खंडवा रोड की सबसे शानदार लोकेशन पर आवासीय कॉलोनी Achira Green शानदार सपनो का घर आपका इंतजार कर रहा है

8889066688, 9109639404
gatewaygroupindia1@gmail.com
www.gatewayghar.in
इंदौर - इच्छापुर नेशनल हाइवे से 400 मी. की दूरी पर

बुर्ज खलीफा पर पठान का ट्रेलर लॉन्च करके वापस लौटे शाहरुख खान, एयरपोर्ट पर देर रात मारी धांसू एंट्री

शाहरुख खान की नई तस्वीरों ने उड़या गर्दा

शाहरुख खान इन दिनों अपनी फिल्म पठान को लेकर काफी चर्चा में बने हुए है। शाहरुख खान की ये फिल्म 25 जनवरी को बड़े पर्दे पर रिलीज होने वाली है। इस फिल्म की रिलीज से पहले शाहरुख खान दुबई गए थे। वहां शाहरुख खान की फिल्म का ट्रेलर बुर्ज खलीफा पर दिखाया गया था। इन सब के बाद अब शाहरुख खान की नई तस्वीरें सोशल मीडिया पर आते ही छा गई है। इन तस्वीरों में शाहरुख खान एयरपोर्ट पर दिखाई दे रहे है। शाहरुख खान की ये तस्वीरें फैंस को काफी पसंद आ रही है।

वापस मुंबई लौटे शाहरुख खान

शाहरुख खान की अभी हाल ही में कुछ तस्वीरें सामने आई हैं। इन तस्वीरों में शाहरुख खान मुंबई एयरपोर्ट पर दिखाई दिए।

बेहद हैंडसम लग रहे थे शाहरुख खान

शाहरुख खान इन तस्वीरों में बेहद हैंडसम लग रहे हैं। शाहरुख खान ये लुक आते ही सोशल मीडिया पर छा गया।

वनडे इतिहास की सबसे बड़ी जीत

भारत ने श्रीलंका को 317 रन से हराया, न्यूजीलैंड का 15 साल पुराना रिकॉर्ड तोड़ा; विराट की 46वीं सेंचुरी

टीम इंडिया ने रविवार को वनडे क्रिकेट के इतिहास की सबसे बड़ी जीत का वर्ल्ड रिकॉर्ड बना दिया। भारत ने श्रीलंका को तीन मैचों की सीरीज के आखिरी मुकाबले में 317 रन से हराया। भारत ने इस मामले में न्यूजीलैंड का 15 साल पुराना रिकॉर्ड तोड़ा। कीवी टीम ने 2008 में आयरलैंड को 290 रन से हराया था।

इस मैच में टीम इंडिया ने एक और वर्ल्ड रिकॉर्ड बनाया। वह वनडे इतिहास में किसी एक देश के खिलाफ सबसे ज्यादा मैच जीतने वाली टीम भी बनी। भारत ने वनडे क्रिकेट में श्रीलंका को 96 बार हराया है। दोनों टीमों के बीच कुल 165 वनडे खेले गए हैं। भारतीय टीम ने ऑस्ट्रेलिया के 95 जीत के वर्ल्ड रिकॉर्ड को पीछे छोड़ दिया।

विराट कोहली, शुभमन गिल और मोहम्मद सिराज जीत के हीरो रहे। विराट ने 166* रन की पारी खेलते हुए 46वां वनडे शतक जमाया। शुभमन गिल ने 116 रन बनाए। भारत ने 50 ओवर में 5 विकेट पर 390 रन का विशाल स्कोर बनाया। कोहली प्लेयर ऑफ द मैच और प्लेयर ऑफ द सीरीज रहे।

जवाब में श्रीलंकाई टीम 22 ओवर में 9 विकेट पर 73 रन के स्कोर पर ही सिमट गई। एक बल्लेबाज ने घायल होने की वजह से बैटिंग नहीं की। भारत की तरफ से मोहम्मद सिराज ने सबसे ज्यादा 4 विकेट लिए। श्रीलंका के 7 बल्लेबाज डबल फिगर में भी नहीं पहुंच पाए।

श्रीलंका से 23 साल पुराना हिसाब चुकता

वनडे क्रिकेट में भारतीय टीम को सबसे बड़ी हार साल 2000 में श्रीलंका के खिलाफ मिली थी। तब श्रीलंका ने टीम इंडिया को 245 रन से हराया था। अब भारत ने श्रीलंका को उसकी सबसे बड़ी हार थमा दी है। साल 2000 में शारजाह में खेले गए मुकाबले में श्रीलंका ने सनथ जयसूर्या (189 रन) के शतक की बदौलत 299 रन बनाए थे। जवाब में भारतीय पारी 54 रन पर सिमट गई थी।

अब भारत ने विराट की दमदार परी के दम पर विशाल स्कोर बनाया और श्रीलंका को बेहद मामूली स्कोर पर समेट दिया।

जीत के 3 हीरो

विराट कोहली

विराट ने 166 रन की पारी खेली। 110 गेंदों की पारी में 13 चौके और 8 छक्के जमाए। यह विराट के करियर का 46वां शतक है। वो प्लेयर ऑफ द मैच और प्लेयर ऑफ द सीरीज रहे। उन्होंने सीरीज में 283 रन बनाए। इसमें दो शतक शामिल हैं। कोहली ने गिल के साथ दूसरे विकेट के लिए 131 और श्रेयस अय्यर के साथ तीसरे विकेट के लिए 108 रन जोड़े।

शुभमन गिल ओपनर शुभमन गिल ने करियर की दूसरी सेंचुरी जमाई। उन्होंने 97 बॉल पर 116 रन बनाए। इस पारी में शुभमन ने 14 चौके और 2 छक्के जमाए। गिल ने कप्तान रोहित शर्मा के साथ 95 रन की ओपनिंग साझेदारी की।

मोहम्मद सिराज सिराज ने धारदार गेंदबाजी की। श्रीलंका के 4 बल्लेबाजों को आउट किया। एक रन आउट भी किया। सिराज ने वनिंदु हसरंगा (एक रन), नुवानिडु फर्नांडो (19 रन), कुसल मेंडिस 4 रन, अविष्का फर्नांडो (एक रन) के विकेट लिए। सिराज के अलावा मोहम्मद शमी और कुलदीप यादव को दो-दो विकेट मिले।

मशहूर एक्ट्रेस ममता मोहनदास अब इस बीमारी का हुई शिकार, शरीर के अंदर धीरे-धीरे मरने लगते हैं सेल्स

मलयालम फिल्म इंडस्ट्री का जाना-पहचाना नाम व चेहरा ममता मोहनदास, दो बार कैंसर को मात दे चुकी हैं। हालांकि, अब एक और बीमारी ने उन्हें अपनी चपेट में ले लिया है। इस वजह से उनकी त्वचा का रंग लगातार बदलता जा रहा है। इससे जुड़ी जानकारी अदाकारा ने खुद अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर सबके साथ शेयर की है। कैप्शन में अदाकारा ने जो हैशटेग यूज किया है, उससे उनकी इस स्किन डिजीज के बारे में पता चलता है। इसी बीमारी को ठीक करने के लिए ममता आजकल काफी धूप भी सेंक रही हैं।

प्रकृति के साथ प्रगति हमारा मंत्र हो- मुख्यमंत्री श्री चौहान

कुशाभाऊ ठाकरे अंतर्राष्ट्रीय कन्वेंशन सेंटर में शुरू हुआ जी-20 का वैचारिक कार्यक्रम

अनेक राष्ट्र के प्रतिनिधियों ने की भागीदारी

मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा है कि अच्छे भविष्य के लिए पर्यावरण-संरक्षण आवश्यक है। इस नाते प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने जी-20 में विचार का विषय वन अर्थ, वन फेमिली और वन फ्यूचर रखा है। प्रकृति के साथ प्रगति हमारा मंत्र होना चाहिए। दरअसल ये दुनिया को बचाने का मंत्र है। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने कहा कि आज संघर्ष नहीं प्रेम की आवश्यकता है। जो हम से कमजोर है, उसे भी अपनाएँ। अंधी प्रतिस्पर्धा नहीं होनी चाहिए। यह दुर्भाग्य की बात है कि विश्व के अधिकांश संसाधनों का उपयोग चंद लोग ही करते हैं जबकि यह पृथ्वी हम सभी के लिए है। पूरा विश्व एक परिवार है। भोपाल में जी-20 के अंतर्गत थिक 20 बैठक के विचार सत्र महत्वपूर्ण भूमिका का निर्वहन करेंगे। निश्चित ही इस कार्यक्रम में शामिल बुद्धिजीवियों और चिंतकों के विचार- मंथन से अमृत निकलेगा।

मुख्यमंत्री श्री चौहान कुशाभाऊ ठाकरे अंतर्राष्ट्रीय कन्वेंशन सेंटर में जी-20 के अंतर्गत थिंक 20 बैठक के उद्घाटन सत्र को संबोधित कर रहे थे। मुख्यमंत्री श्री चौहान और अन्य अतिथियों ने दीप जला कर बैठक के उद्घाटन सेशन का शुभारंभ किया। दो दिवसीय बैठक पर्यावरण सम्मत जीवन-शैली, नैतिक मूल्य और सुमंगलम वैश्विक सुशासन के लिए परस्पर सहयोग पर केंद्रित है।

मुख्यमंत्री श्री चौहान ने कहा कि अतिथि देवो भव भारत की परंपरा है। प्रधानमंत्री श्री मोदी अद्भुत नेतृत्व क्षमता के धनी हैं। उन्होंने भारत की प्रतिष्ठा में वृद्धि की है। जी-20 की अध्यक्षता प्राप्त होना भारत की उपलब्धि है। हमारे देश में प्राचीन समय से यह विचार रहा है कि पूरा विश्व एक कुटुम्ब की तरह है। ओंकारेश्वर में एकात्म धाम के अंतर्गत आदि शकराचार्य आचार्य शंकर की विशाल प्रतिमा और अंतर्राष्ट्रीय अद्वैत संस्थान स्थापित किया जा रहा है।

मुख्यमंत्री श्री चौहान ने कहा कि आज सारी दुनिया को एक होने की जरूरत है। मनुष्यों के साथ पशु-पक्षियों का अस्तित्व भी महत्वपूर्ण है। प्राणियों की अनेक प्रजातियाँ खत्म हो रही हैं। प्रधानमंत्री श्री मोदी के प्रयासों से नामीबिया से चीते लाकर मध्यप्रदेश में बसाए गए हैं। मध्यप्रदेश टाइगर, लेपर्ड, गिद्ध और घड़ियालों के संरक्षण के लिए जाना जाता था। अब मध्यप्रदेश चीता स्टेट भी बन गया है। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने मध्यप्रदेश की विशिष्ट वन्य-प्राणी संपदा की जानकारी भी डेलिगेट्स को दी।

मुख्यमंत्री श्री चौहान ने कहा कि आज छोटे-छोटे उपायों से पर्यावरण को बचाने में सहयोग दिया जा सकता है। हम अपने व्यवहार में पौध-रोपण को शामिल करें तो यह पृथ्वी के लिए बड़ा योगदान होगा। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने मध्यप्रदेश में बिजली बचाओ, जल-संरक्षण, पर्यावरण-संरक्षण, नवकरणीय ऊर्जा के उपयोग, बेटी बचाओ अभियान एवं लाड़ली लक्ष्मी योजना के सफल क्रियान्वयन का उल्लेख किया। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने कहा कि ग्रीन एनर्जी का महत्व बढ़ रहा है। सौर ऊर्जा का उत्पादन बांधों की जल राशि के माध्यम से भी करने की पहल की गई है। प्रदेश में जलाभिषेक अभियान से साढ़े 4 लाख जल-संरचनाओं का निर्माण किया गया है।

मुख्यमंत्री श्री चौहान ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री मोदी पर ड्रॉप मोर क्रॉप का आहवान कर जल के पूर्ण उपयोग के लिए संकल्पित हैं। उनके नेतृत्व में भारत विकास की ओर अग्रसर है। उन्होंने आने वाले वर्षों में विभिन्न लक्ष्य तय किए हैं। इनमें प्रमुख रूप से नवकरणीय ऊर्जा के उपयोग और कार्बन उत्सर्जन कम करने के साथ ही मजबूत अर्थ-व्यवस्था बनाने के लक्ष्य शामिल हैं। उन्होंने पंचामृत का मंत्र दिया है। सीओपी-26 में उन्होंने कहा था कि भारत, वर्ष 2070 तक शुद्ध शून्य उत्सर्जन (नेट जीरो) का लक्ष्य हासिल करेगा। वर्ष 2030 तक भारत अपनी अर्थ-व्यवस्था की कार्बन इंटेन्सिटी को लगभग आधा कर लेगा। इसी तरह नवकरणीय ऊर्जा में भारत की स्थिति विश्व में चौथे क्रम पर है, उसमें भी सुधार लाया जाएगा। वन अर्थ, वन फेमिली और वन फ्यूचर का सिद्धांत महत्वपूर्ण है। हमारी प्राथमिकता भी प्रकृति के साथ प्रगति है। मध्यप्रदेश में हो रहा पौध-रोपण इसका प्रमाण है। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने प्रारंभ में अतिथियों का मध्यप्रदेश की जनता की ओर से स्वागत करते हुए साँची बौद्ध स्तूप, भीमबैठका के प्राचीनतम शैल चित्र और भोपाल का ट्राइबल म्यूजियम देखने का आग्रह किया।

अन्य अतिथियों के विचार

जी-20 की थिंक 20 बैठक के वैचारिक कार्यक्रम में नीति आयोग, भारत सरकार के उपाध्यक्ष श्री सुमन बेरी ने कहा कि विश्व भर से आए चिंतक पर्यावरण सम्मत जीवन-शैली और नैतिक मूल्यों के महत्व पर अपने विचार रखेंगे। नीति आयोग ने एकात्मता का संदेश देने, जन-भागीदारी, संवेदना, सद्भाव, वसुधैव कुटुम्बकम् और पर्यावरण हितैषी जीवन-शैली के लिए मध्यप्रदेश में इस वैचारिक सत्र के आयोजन में सहयोग दिया है। प्रधानमंत्री श्री मोदी वन अर्थ, वन फेमिली और वन फ्यूचर के विचार को लोकप्रिय बना रहे हैं।

टी-20 चेयर और मनोहर पर्रिकर-आईडीएसए, नई दिल्ली के महानिदेशक श्री सुजॉन चिनॉय ने कहा कि राष्ट्रपिता महात्मा गांधी ने स्वच्छता पर बल दिया। प्रधानमंत्री श्री मोदी ने स्वच्छता को जन-अभियान बनाया। आज कम हो रहा ग्रीन कवर चिंतनीय है। पर्यावरण का संतुलन आवश्यक है। यह वैचारिक सत्र इस विषय के महत्वपूर्ण पहलुओं को सामने लायेगा।

एशियन डव्लपमेंट बैंक जापान के सीईओ श्री टेत्सुशी ने कहा कि भारत की पर्यावरण के प्रति चिंता और इस कार्यक्रम की रूपरेखा प्रशंसनीय है। अनेक राष्ट्रों के विचारक एक मंच पर आए हैं।

अंतर्राष्ट्रीय बाल कोष (यूनिसेफ) के दक्षिण एशिया के क्षेत्रीय निदेशक जॉर्ज लारिया ने कहा कि तकनीक के सद्पयोग से पर्यावरण और कल्याण के कार्यों का संचालन करने की दिशा में नए विचार सामने आएंगे। एक पृथ्वी और एक परिवार का सूत्र हमारे भविष्य को सुरक्षित रखने का माध्यम है।

भारत सरकार के जी-20 के मुख्य समन्वयक श्री हर्षवर्धन श्रृंगला ने कहा कि स्मार्ट और क्लीन सिटी भोपाल देखकर प्रसन्नता हुई। जी-20 में भारत की अध्यक्षता महत्वपूर्ण सिद्ध होगी।

इण्डोनेशिया के उप मंत्री डॉ. स्लेमेट सोएडरसोनो ने कहा कि मूलभूत चुनौतियों से निपटते हुए विकास की प्राप्ति के लिए मिल कर कदम बढ़ाने होंगे।

प्रारंभ में मध्यप्रदेश नीति आयोग के उपाध्यक्ष श्री सचिन चतुर्वेदी ने कहा कि मुख्यमंत्री श्री चौहान ने मध्यप्रदेश को बीमारु राज्य की श्रेणी से बाहर निकाल कर विकास के लिए अग्रसर बनाया है। आज सर्व समावेशी विकास के लिए जिस मॉडल की आवश्यकता है, वो पर्यावरण सम्मत जीवन-शैली से संभव है। मध्यप्रदेश में शहरीकरण को समाज से जोड़ने, समुदाय की भागीदारी के साथ ग्रामों और नगरों के गौरव दिवस मनाने के कार्य हो रहे हैं।

अटल बिहारी वाजपेयी सुशासन एवं नीति विश्लेषण संस्थान की डॉ. इंद्राणी बड़पुजारी ने आभार व्यक्त किया।

भारत कर सकता है संसार में नई ऊर्जा का संचार-प्रो. डेनिस

विकास के मार्ग पर मूल्यों का ध्यान रखना है = डॉ. राजीव कुमार

जी-20 के थिंक 20 कार्यक्रम में लाइफ वेल्यू एण्ड डेव्हलपमेंट फॉर्मेशन पर हुआ प्लेनरी सेशन

जी-20 में थिंक-20 के दो दिवसीय कार्यक्रम के पहले दिन ''लाइफ, वेल्यू एण्ड डेव्हलपमेंट फॉर्मेशन'' विषय पर पहले प्लेनरी सेशन में ग्लोबल सॉल्यूशन इनिशिएटिव, जर्मनी के अध्यक्ष प्रोफेसर डेनिस जे. स्नोवर ने मुख्य वक्ता के रूप में कहा कि जी-20 का नेतृत्व करते हुए भारत में वह शक्ति है कि वह स्थापित उच्च मूल्यों के आधार पर संसार में नई ऊर्जा का संचार करे। सेशन की अध्यक्षता कर रहे पहले इंडिया फाउंडेशन के अध्यक्ष एवं भारत सरकार के नीति आयोग के पूर्व उपाध्यक्ष डॉ. राजीव कुमार ने कहा कि मूल्यों को ध्यान में रख कर ही हमें विकास के मार्ग पर चल कर उन्नति की ओर अग्रसर होना है।

मुख्य वक्ता प्रो. डेनिस ने कहा कि उपलब्ध संसाधनों का लाभ समाज के सभी लोगों को मिलना चाहिए। विकास की दौड़ में हमें सदैव स्मरण रखना चाहिए कि हम सामाजिक प्राणी भी हैं। इस सब में हमें हमारे सामाजिक मूल्य मदद करेंगे। प्रभावी देश अपनी शक्ति का उपयोग कर वैश्विक बाजार को प्रभावित करते हैं, जिससे असमानता को बढ़ावा मिलता है। वर्तमान समय की माँग है कि हम नीतियों को मानव केन्द्रित बनाएँ क्योंकि समानता जरूरी है। जी-20 मुख्यतः आर्थिक गतिविधियों पर आधारित संगठन है। हमें इकोनॉमी इनवायरमेंट के साथ सोशल इनवायरमेंट पर भी ध्यान देना होगा। हमें दूरगामी सोच अपनाते हुए मूल्यों के साथ आगे बढ़ना होगा, जिसमें समाज, राष्ट्र और विश्व का कल्याण शामिल हो न कि अपनी सोच को व्यक्ति केन्द्रित रखना है। हमारे जीवन मूल्य हमारी जीवन यात्रा का एक हिस्सा होना चाहिए न की मंजिल। मूल्य आधारित समझ हमें बेहतर और खुशहाल बनाती है।

सेशन के अध्यक्ष डॉ. राजीव कुमार ने कहा कि पर्यावरण सम्मत जीवन-शैली, नैतिक मूल्य तथा सुमंगलमय युक्त वैश्विक सुशासन'' की स्थापना के लिये समाज की सहभागिता अत्यंत जरूरी है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी देश की संस्कृति की अवधारणा **वसुधैव कुटुम्बकम** का निरंतर वैश्विक स्तर पर प्रचार-प्रसार कर रहे हैं। उन्होंने प्लेनरी सेशन का संचालन करते हुए समापन पर कहा कि जीवन मूल्यों को हर स्तर पर स्थापित करना होगा। अपनी इच्छाओं और आकांक्षाओं को समग्र हित में दृष्टिगत रखते हुए कार्य करना होगा। हर व्यक्ति को व्यापक हित में अपनी भूमिका निर्धारित करनी होगी। अपना सोच वैश्विक स्तर का रखना होगा। वर्तमान में हमारे सामने आयी बहुत सारी चुनौतियों का सामना मूल्य आधारित समाज विकसित करके ही किया जा सकता है।

सेन्टर फॉर प्रोफेशनल्स एथिक्स यू कलॉन, यूनाइटेड किंगडम और स्कूल ऑफ लॉ, यू कलॉन, साइप्रस की डायरेक्टर प्रो. डोरिस श्योरेडॉर ने अपना संबोधन नमस्ते से शुरू किया। उन्होंने पर्यावरण-संरक्षण के लिये मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान द्वारा किये जा रहे प्रयासों की सराहना की। भारतीय संस्कृति में मूल्य आधारित जीवन पद्धति की भी सराहना की। उन्होंने कहा कि जी-20 के समक्ष मूल्यों संबंधी कई चुनौतियाँ हैं। थिंक-20 इंडिया की टास्क फोर्स 6 के अध्यक्ष और विजिटिंग फेलो आरआईएस, नई दिल्ली श्री जी.ए. टडास ने कहा कि जी-20 में विकसित और विकासशील दोनों ही प्रकार के विभिन्न राष्ट्र शामिल है। हमें वर्ष 2030 तक अपने लक्ष्यों की प्राप्ति के लिये संसाधनों में वृद्धि करनी होगी। कोरोना पेंडेमिक से विकास की दौड़ प्रभावित हुई है। हमें विकास के मार्ग पर मूल्यों का ध्यान रखते हुए उन्नति करना है।

ओईसीडी डेव्हलपमेंट सेंटर, पेरिस के पूर्व निदेशक डॉ. मारियो पेज़िनी ने कहा कि विश्व के विभिन्न देशों में कई समस्याएँ हैं। ऐसे में सोशल ट्रांसफार्मेशन किये जाने की आवश्यकता है। हमें विकास को सिर्फ जीडीपी के नजरिये से ही नहीं देखना चाहिए, बल्कि ग्रास इन्वायरमेंट प्रोडक्टिविटी (जीईपी) के अनुसार काम करना होगा।

इंडोनेशिया विश्वविद्यालय के आर्थिक और सामाजिक शोध संस्थान की निदेशक प्रोफेसर रिआतु क़िबथियाह ने कहा कि हम सभी प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी और इंडिया की ओर देख रहे हैं। भारत को देश में किये जा रहे नवाचारों को विश्व के साथ साझा करने का एक बेहतर अवसर प्राप्त हुआ है।

एग्रीकल्चरल यूनिवर्सिटी ऑफ चीन के लीड चेयर प्रोफेसर ली. शियाओ युन ने सेशन में ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों में बढ़ती असमानता को दूर करने की जरूरत पर बल दिया। उन्होंने सभी को जीवन के लिये समान अवसर मिलने की आवश्यकता पर जोर दिया।

इंस्टीट्यूट ऑफ साउथ एशियन स्टडीज (आईएसएएस) सिंगापुर के निदेशक डॉ. इकबाल सिंह सेवियां ने कहा कि औद्योगिक क्रांतियों ने विश्व को बदला है। जीवन मूल्यों के साथ तकनीक का उपयोग कर सिस्टम को विकसित करने की सोच के साथ अनुसंधान करना चाहिए। हम तकनीक को जीवन मूल्यों से अलग नहीं कर सकते हैं।

दो बड़ी सौगातें

5 महीने में शहर को मिलेंगे दो बस स्टैंड, एक ऑडिटोरियम, स्विमिंग पूल; इनक्यूबेशन सेंटर

दो बड़े ग्लोबल आयोजनों के बाद अब सौगातों की बारी

प्रवासी भारतीय सम्मेलन और इन्वेस्टर्स समिट जैसे दो बड़े ग्लोबल आयोजन के बाद अब शहर को 5 बड़ी सौगात मिलने वाली है। दो से तीन साल पहले शुरू हुए यह प्रोजेक्ट लगभग तैयार होने की स्थिति में आ गए हैं। एक के बाद इनका लोकार्पण किया जाना है। इंदौर विकास प्राधिकरण ने इन प्रोजेक्ट को शुरू कराया था। कोई प्रोजेक्ट 95 फीसदी तक पूरा हो चुका है तो किसी का काम 80 फीसदी हो गया है।

इनक्यूबेशन सेंटर- दो शिफ्ट में लगातार चल रहा काम

आनंद वन में ढाई करोड़ रुपए की लागत से इनक्यूबेशन सेंटर स्थापित किया जा रहा है। मार्च में इसे शुरू किया जाना है। मुख्यमंत्री ने पिछले साल स्टार्टअप समिट में इसकी घोषणा की थी। सुपर कॉरिडोर पर जब स्टार्टअप कॉम्प्लेक्स बन जाएगा, तब उसे वहां शिफ्ट किया जाएगा। गुजरात की कंपनी को सेंटर स्थापित करने का कॉन्ट्रैक्ट मिला है। यहां दो शिफ्ट में काम किया जा रहा है।

स्विमिंग पूल- 80 फीसदी काम पूरा हो चुका

पीपल्याहाना चौराहे के पास बन रहे अंतरराष्ट्रीय स्तर के स्विमिंग पूल का काम भी 80 फीसदी पूरा हो चुका है। अप्रैल में तैयार होकर मई में इसके शुरू होने की संभावना है। 23 करोड़ से बनने जा रहे स्विमिंग पूल के पहले चरण के कार्य की लागत 13.97 करोड़ रुपए है। दूसरे चरण के टेंडर जारी कर जल्द ही बचा काम पूरा किया जाएगा. जिसकी लागत करीब 10 करोड़ रुपए तक होगी।

2 आईएसबीटी- 2000 से ज्यादा बसों का संचालन होगा

पहला- दो इंटर स्टेट बस टर्मिनल तैयार होने वाले हैं। महाराष्ट्र तरफ जाने के लिए नायता मुंडला में बस स्टैंड 95 फीसदी पूरा हो चुका है। यहां से 500 बसों का संचालन हो सकेगा। 10 करोड़ रुपए लागत से बस स्टैंड बना है। महाराष्ट्र के अलावा अन्य शहरों के लिए यहां से बसें संचालित होंगी।

95 फीसदी काम पूरा हो चुका, 10 करोड़ रुपए लागत आई है

दूसरा- आईएसबीटी कुमेड़ी में बन रहा है। यह प्रदेश का सबसे बड़ा बस स्टैंड होगा। यहां से करीब 1500 बसों का संचालन हो सकेगा। एक ही समय में 150 से ज्यादा बसें खड़ी हो सकेंगी। इसकी बिल्डिंग एयरपोर्ट के टर्मिनल की तरह होगी। आने-जाने के टर्मिनल भी अलग-अलग होंगे। यहां पर 70 फीसदी से अधिक काम हो गया है। 5 से 6 महीने में यह पूरा हो जाएगा।

ऑडिटोरियम- स्वर कोकिला लता जी की याद में म्यूजियम

लता मंगेशकर के नाम पर राजेंद्र नगर ऑडिटोरियम में म्यूजियम, स्टूडियो बनाया जा रहा है। मार्च-अप्रैल में इस प्रोजेक्ट के भी पूरा होने के आसार हैं। ऑडिटोरियम के कुछ हिस्से को म्यूजियम में तब्दील करने का काम तेजी से जारी है। 9 करोड़ रुपए से अधिक रकम इस पर खर्च की जा रही है। सीएम ने लता जी की याद में इंदौर में म्यूजियम स्थापित करने की घोषणा की थी।

मकर संक्रांति पर पतंगोत्सव की धूम

विजयवर्गीय व महापौर ने लड़ाए पेंच, कबड्डी भी खेली; गिल्ली-डंडा. सितोलिया में भी आजमाए हाथ

सूर्य आराधना का पर्व मकर संक्रांति के पर्व को लेकर रविवार सुबह से लोगों में काफी उमंग है। इस त्योहार की खास पहचान पतंगबाजी का उल्लास यूं तो एक हफ्ते से है लेकिन शनिवार को खासा रहा। रविवार सुबह से ही बच्चों-युवाओं द्वारा जमकर पतंगबाजी की जा रही है। चूंकि इस बार संक्रांति दो दिनों की है इसके चलते युवाओं में पतंगबाजी को लेकर बहुत उत्साह है। दशहरा मैदान पर भाजपा के राष्ट्रीय महासचिव कैलाश विजयवर्गीय ने व महापौर पुष्यमित्र भार्गव ने पतंगबाजी की और पेंच लड़ाए। महापौर ने जहां कबड्?डी खेली वहीं विजयवर्गीय ने गिल्ली-डंडा व सितोलिया में भी हाथ आजमाए।

सनातन संस्कृति और परंपराओं को जीवित रखने व नई पीढ़ी के बीच इन परंपराओं को बनाए रखने के उद्देश्य से पश्चिम क्षेत्र स्थित दशहरा मैदान में %मित्र पतंग महोत्सव% का आयोजन शुरू हुआ। महापौर पुष्यमित्र भार्गव के निर्देशन में इस आयोजन में पतंग महोत्सव (स्वदेशी धागे से) के साथ ही विभिन्न परम्परागत खेलों का भी आयोजन किया जा रहा है। मैदान में गिल्ली-डंडा, सितोलिया, रस्सा खेंच, कबड्डी, नींबू रेस, रस्सी कूद, रुमाल झपट्टा, चेयर रेस आदि खेल भी खेले जाएंगे। मातृशक्ति द्वारा हल्दी-कुमकुम का आयोजन भी रखा गया है। इस कार्यक्रम में अन्य आकर्षक खेलों के साथ ही सेल्फी पॉइंट भी बनाया गया है। खाने-पीने के सशुल्क स्टॉल्स भी लगाए गए हैं। सुबह महापौर पुष्यमित्र भार्गव मैदान में पहुंचे और लोगों को संक्रांति की बधाई दी। इसे मौके पर उन्होंने पतंगबाजी और पेंच लड़ाए। उनके साथ एमआईसी सदस्य भी थे। इन सभी ने कबड्?डी भी खेली। इसके साथ ही पारम्परिक खेल भी खेले।

इसलिए मनाया जाता है मकर सक्रांति पर्व

मकर संक्रांति पर सूर्य देव अपने पुत्र शनिदेव से नाराजगी भुलाकर उनके घर गए थे। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार इस दिन पवित्र नदी में स्नान, दान, पूजा आदि करने से व्यक्ति का पुण्य प्रभाव हजार गुना बढ़ जाता है। इस दिन से मलमास यानी खर मास खत्म होने के साथ ही शुभ माह प्रारंभ हो जाता है। इस खास दिन को सुख और समृद्धि का दिन माना जाता है। मकर संक्रांति पर्व को %पतंग महोत्सव% के नाम से भी जाना जाता है।

गोंड समाज का परिवार परिचय सम्मेलन सम्पन्न हुआ

इंदौर (अनिल चौधरी)। गोंड समाज महासभा, जिला- इन्दौर का मयंक ब्लू वॉटर पार्क में परिवार परिचय सम्मेलन का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का आरंभ इष्ट देवबढ़ा देव की पूजा अर्चना से हुआ ।गोंड समाज महासभा मध्यप्रदेश, इन्दौर जिले के अध्यक्ष रविन्द्र परते ने बताया कि समाज के सांस्कृतिक विकास के साथ आर्थिक विकास में अग्रसर होने की विस्तृत जानकारी देते हुए कहा कि वर्तमान समय में शैक्षणिक विकास ही समाज और देश की प्रगति का पैमाना है। समाज को आधुनिक विकास से कदमताल मिलाने जरूरत है ।

प्रदेश उपाध्यक्ष हरीओम परते ने कहा की भारत में गोंडों इतिहास की विस्तृत जानकारी देते हुए सांस्कृतिक और ऐतिहासिक धरोहर को संरक्षित करने पर जोर दिया ।प्रदेश युवा प्रकोष्ठ के महामंत्री तिरू. सत्येन्द्र गोंड के कहा कि इन्दौर शहर में प्रदेश भर के समाज के बच्चें उच्च शिक्षा प्राप्त करने आते हैं यदि उन्हें शिक्षण संस्थाओं में प्रवेश आदि में कोई परेशानी आती है तो वह अवश्य संपर्क करें। यथासंभव हल निकाला जाएगा। साथ कहा कि निःशुल्क संचालित गोंड मैरिज ब्यूरो का भी लाभ लेवे।

इन्दौर संभाग के अध्यक्ष संजय ठाकुर ने समाज के आर्थिक विकास हेतु विशेष कार्य योजना बनाकर कार्य करने पर जोर दिया।

देवास संभाग के अध्यक्ष डॉ. सतिश उईके ने कहा कि समाज में स्वास्थ्य के प्रति जागरूक रहें। स्वस्थ्य समाज हि स्वस्थ्य देश का निर्माण कर सकता है। हानी कारक व्यसन को त्यागकर स्वस्थ्य जीवनचर्या अपनाने पर जार दिया।

सम्मेलन में युवक युवतियों ने परिचय पुरे परिवार के साथ दिया गया। इस अवसर पर समाज के प्रतिभावान युवक-युवतियों को प्रशस्ति पत्र प्रदान कर सम्मानित किया गया। सम्मेलन में प्रदेश के सभी जिले के गोंड समाज के सेकड़ों परिवार शामिल हुए।

स्वामी,मुद्रक,प्रकाशक गोपाल गावंडे द्वारा पंकज प्रिन्टर्स एण्ड पैकेजिंग एल.यू.एन.22 सेक्टर एफ सांवेर रोड इण्डस्ट्रीयल एरिया ,इंदौर,म.प्र. एवं जी-1,कॉस्मिक रीजेन्सी 117 गोकुल नगर कनाडिया इंदौर, म.प्र. से प्रकाशित - संपादक गोपाल गावन्डे (पी.आर.बी.) एक्ट के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेदार (समस्त विवादों का न्यायक्षेत्र इंदौर रहेगा)